भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †557

सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन के विकास के लिए बिहार को आवंटित निधि

†557. श्री राजीव प्रताप रूडी:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार में पर्यटन स्थलों के विकास के लिए कोई आबंटन किया है;

(ख) यदि हां, तो सारण जिले सहित तत्संबंधी जिले-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए बिहार में जिले-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है और इससे कितनी नौकरियों के सृजन होने का अनुमान है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार के पर्यटन क्षेत्र में हुए निवेश का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय ने बिहार राज्य में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की है।

स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत बिहार राज्य में विकास के लिए गया और नालंदा नामक गंतव्यों को चिन्हित किया गया है।

स्वदेश दर्शन, प्रशाद और केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के अंतर्गत बिहार राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों से प्रस्तावों की प्राप्ति एक सतत् प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की

निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति, परिचालानात्मक व्यवहार्यता और निधियों की उपलब्धता की शर्त पर इन परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पर्यटन में निवेश सहित पर्यटन अवसंरचना का विकास और संवर्धन मुख्यत संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन क्षेत्र और सार्वजनिक निजी भागीदारी में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में निवेश संवर्धन हेतु संचालन समिति का गठन किया है और इसमें विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग, उद्योग हितधारकों आदि के सदस्य शामिल हैं।

****

अनुबंध

पर्यटन के विकास के लिए बिहार को आवंटित निधि के सम्बन्ध में दिनांक 24.07.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †557 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रुपये में)

क्र सं	राज्य	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली-आरा-मसद-पटना-राजगीर-पावापुरी-चंपापुरी का विकास	33.96
2.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग का विकास: सुल्तानगंज - धर्मशाला- देवघर	44.76
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास- बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18
4.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा-चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास	44.27
5.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और आंग प्रदेश का विकास	44.55

प्रशाद योजना (करोड़ रुपये में)

क्र सं	राज्य	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत
1.	बिहार	पटना साहिब में विकास	2015-16	41.54
2.		विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूल सुविधाओं का विकास	2014-15	4.27

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रुपये में)

क्र सं	राज्य	परियोजनाओं के नाम	केंद्रीय एजेंसी	स्वीकृत राशि
वर्ष 2013-14				
1.	बिहार	रेल मंत्रालय के सहयोग से गया रेलवे स्टेशन पर पर्यटक	रेलवे मंत्रालय	5.18

		सुविधाओं का संयुक्त विकास		
वर्ष 2019-20				
2.	उत्तर प्रदेश (वाराणसी और इलाहाबाद-I, इलाहाबाद-II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाती, पांडु, जोगीघोपा और विश्वनाथघाट)	राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1 और 2 पर रिवर क्रूज के चढ़ने/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर जेट्टी के विकास के लिए सीएफए; एनडब्ल्यू -2 में 4 नंबर जेट्टी के विकास के लिए संशोधित अनुमोदन	भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण	28.03

****